भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

दिनांक : 01.03.2023

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत मधुमक्खी पालन द्वारा
"शहद उत्पादन विषय" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा वा अ शि प – वन उत्पादकता संस्थान, राँची के निदेशक डॉ योगेश्वर मिश्रा के नेतृत्व में संस्थान के एक दल श्री निशार आलम, श्री बी.डी.पंडित, श्री सूरज कुमार द्वारा दिनांक 01.03.2023 को प्रदर्शन ग्राम कुटाम में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत "मधुमक्खी पालन द्वारा शहद उत्पादन विषय" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे लगभग 50 ग्रामीणों ने भाग लिया|

कार्यक्रम का संचालन करते हुए संस्थान के श्री बी डी पंडित ने कार्यक्रम का परिचय दिया एवं कार्यक्रम को दो (i) आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत "मधुकीट पालन द्वारा शहद उत्पादन" एवं (ii) मिशन लाइफ के अंतर्गत "मधुमक्खियाँ प्रकृति के सहयोगी" विषय पर संगोष्ठी कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत किया|

ग्राम कुटाम के प्रधान ने वन उत्पादकता संस्थान की प्रशंसा करते हुए बताया की केचुवा खाद के उत्पादन में संस्थान के सहयोग से ग्राम काफी सफलता प्राप्त की है और यहाँ के सभी किसान रासायनिक खाद को छोड़कर जैविक खाद का उपयोग कर रहें हैं|

निदेशक डॉ योगेश्वर मिश्रा ने कहा की मधु पालन के द्वारा आत्मनिर्भरता के अनेक अवसर हैं| उन्होंने केचुवा खाद के पोषक तत्वों के हिसाब से विश्लेषण करवाने का निर्देश दिया और उन्होंने बताया की मधु उत्पादन में देश 8 वें स्थान पर है जिसे प्रथम स्थान पर ले जाना हम सभी का दायित्व है भारतीय शहद को दुनियां के देश काफी पसंद करते है उत्पादन बढ़ाकर निर्यात बढ़ाने से हमारी विदेशी मुद्रा मजबूत होगी| मरवाही छत्तीसगढ़ के मधु उत्पादन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा की आज मरवाही छत्तीसगढ़ के ब्रांड मधुरस की मांग पुरे देश-दुनियां में है| झारखण्ड में साल की बहुलता के कारण मधु की गुणवत्ता और बढ़ जाती है| बांस के बने कचरा रखने के उपयोग में लेन वाले डब्बा देखकर उन्होंने प्रेरित किया की बांस का उपयोग कर आप खुद का मधुबक्सा तैयार कर सकते है| उन्होंने ग्रामीणों में श्री डेविड एवं हरेन डोडराम को एक-एक मधुमक्खियों सहित बक्सा उपलब्ध कराया एवं उसके प्रबंधन, पराग के अनुसार विस्थापन करते रहने जैसे तकनीक का उपयोग करने का आग्रह किया| उन्होंने बताया की आपकी लगनशीलता आपको सरकारी मदद भी दिला सकती है| राज्य सरकारें इसके लिए मदद करती रहती है उन्होंने प्रेरक दीदी की सराहना करते हुवे मधुपालन में भी किसानो का सहयोग करने की अपील की| निशार आलम ने मधुमक्खी को प्रकृति का दोस्त बताया|

श्री बी डी पंडित ने मधु किट पालन, फीडिंग, रानी की पहचान, मधुरस निकलने, विस्थापन आदि तकनिकी पर प्रशिक्षण दिया एवं दोनों बक्शो को लाभुक के स्थान पर स्थापित किया. कार्यक्रम सफल बनाने में श्री निशार आलम, श्री सूरज कुमार का सराहनीय योगदान रहा|

संस्थान की भागीदारी की झलकियां

स्थान:कुटाम

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत मधुमक्खी पालन द्वारा
"शहद उत्पादन विषय" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक : 01.03.2023

भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान, रांची